यमुना छठ व्रत कथा

पौराणिक कथा के अनुसार सूर्य की पत्नी छाया से पुत्री यमुना और पुत्र यम थे। वे दोनों ही सांवले रंग के थे। यम अपनी बहन यमुना से बहुत प्रेम करते थे। अतः यमराज ने बहन यमुना को आशीर्वाद दिया कि कोई भी व्यक्ति यमुना नदी में स्नान करने से यमलोक नहीं जायेगा। तभी से यमुना में स्नान करना पवित्र माना जाता है।

इसके अलावा यह मान्यता भी प्रचलित है कि जब श्री कृष्ण राधा जी के रूप में लक्ष्मी जी को लेकर आये तो वे अपने साथ यमुना जी को भी लेकर आये। इसलिए द्वापर युग में यमुना नदी के रूप में पृथ्वी पर अवतरित हुईं। इसलिए, ब्रज में यमुना को माँ माना जाता है और भक्त यमुना छठ पर विशेष पूजा करने के लिए इकट्ठा होते हैं।

pdfinbox.com